



हेवी इलेक्ट्रिकल प्लांट, भोपाल

प्रचार एवं जनसंपर्क विभाग

दिनांक: 15/02/2024





आज की समाचार कतरनें

S no.	Publication	Subject	Page no.
01	The Hitavada	Order related news	03
02	Nav Bharat	Order related news	04
03	Patrika	Order related news	05
04	Swadesh	Order related news	06
05	Patrika	Union related news	07
06	Swadesh	Union related news	08
07	Swadesh	Company Performance related news	09



Publication Date-	15.02.2024	The Hitavada
Page no.-	02	
Journalist-	Bhopal Bureau	

BHEL gets order for setting 800 MW Ultra-Supercritical Thermal Power Plant on EPC

■ Staff Reporter

UNDER International Competitive Bidding (ICB), Bharat Heavy Electricals Limited (BHEL) has won an order for setting up a 800 MW Ultra-Supercritical Thermal Power Plant on Engineering, Procurement & Construction (EPC) basis, at Yamunanagar, Haryana, from HPGCL (Haryana Power Generation Corporation Ltd.).

Notably, the 1x800 MW Deenbandhu Chhotu Ram Thermal Power Plant (DCRTPP) will be Haryana's first ultra-supercritical technology-based power project. On commissioning, this plant will offer more efficient parameters and consume lesser coal in comparison to the existing subcritical units in the state.

The proposed 800 MW unit shall be established adjacent to the existing 2x300 MW units, currently operational at Yamunanagar. BHEL has successfully executed central and state thermal utility projects of over 3,000 MW in Haryana, and has been associated with the state's power development programme since 1974.

BHEL's scope of work in this

contract includes design, engineering, manufacturing, supply, erection, testing and commissioning of the steam generator, turbine and associated auxiliaries along with electrical and control instrumentation works.

The project will also be fitted with state-of-the-art emission control equipment based on the latest technology. Key equipment for the project will be supplied by BHEL's manufacturing units at Haridwar, Trichy, Bengaluru, Hyderabad, Bhopal and Ranipet, while the execution on site will be undertaken by the company's Power Sector - Northern Region.

With its vast portfolio of 1,34,000+ MW of thermal power plants installed in the country, BHEL is the undisputed market leader in thermal utility projects as well as a leading player for fit&M of old sets for increasing the lifespan and for upgrading efficiency and reliability. So far, BHEL has contracted 66 Supercritical Steam Generators (SGs) and 61 Supercritical Turbine Generators (TGs) in the country, out of which, 32 SGs and 24 TGs have been commissioned and are operating successfully.

Publication Date-	15.02.2024	Nav Bharat
Page no.-	02	
Journalist-	Bhopal Bureau	

उपलब्धि 800 मेगावाट का अल्ट्रा-सुपरक्रिटिकल थर्मल पावर प्लांट होगा स्थापित

यमुना नगर में थर्मल पावर लगाने भेल को मिला आर्डर



भोपाल से होगी मुख्य उपकरणों की आपूर्ति

एजीएम जे ने बताया कि परियोजना के लिए मुख्य उपकरणों की आपूर्ति बीएचईएल की हरियाणा, भिखी, बेगलूर, हैदराबाद, भोपाल और राजीवगढ़ में विनिर्माण इकाइयों द्वारा की जाएगी, जबकि साइट पर निर्माण कंपनी के पावर सेक्टर उत्तरी क्षेत्र करेगा। देश में स्थापित 7,34,000 मेगावाट के थर्मल पावर प्लांटों के अपने विशाल पोर्टफोलियो के साथ भेल थर्मल युटिलिटी परियोजनाओं में निर्विकट बाजार अग्रणी है। साथ ही प्लांट के सेवाकाल बढ़ाने और दक्षता तथा विश्वसनीयता को उन्नत करने पुराने सेटों के आरंभिक के लिए अग्रणी कंपनी है। अब तक बीएचईएल ने देश में 66 सुपरक्रिटिकल स्टीम जेनरेटर (एसजी) और 61 सुपरक्रिटिकल टर्बाइन जेनरेटर के साथ अनुबंध किया है, जिसमें से 32 एसजी और 24 टीजी अबू होकर सफलतापूर्वक काम कर रहे हैं।

नवभारत प्रतिनिधि भेल, 14 फरवरी, भेल को अंतर्राष्ट्रीय प्रतिस्पर्धा के तहत हरियाणा विद्युत आपादण निगम लिमिटेड से यमुना नगर में इंजीनियरिंग, खरीद और निर्माण आधार पर 800 मेगावाट का अल्ट्रा-सुपरक्रिटिकल थर्मल पावर प्लांट स्थापित करने के लिए आर्डर मिला है। भेल के प्रवक्ता एजीएम जनसंपर्क विनीशानंद झा ने बताया कि दीनबंधु छोट राम थर्मल पावर प्लांट हरियाणा की पहली अल्ट्रा-सुपरक्रिटिकल ग्रीडिंग-आधारित बिजली परियोजना होगी, यह संयंत्र राज्य में मौजूदा उच्च-महत्वपूर्ण इकाइयों की तुलना में अधिक कुशल मानकों के साथ कम कोयले की खपत करेगा, प्रस्तावित 800 मेगावाट इकाई मौजूदा 2x300 मेगावाट इकाइयों के निकट स्थापित की जाएगी, जो वर्तमान में यमुना नगर में कार्यरत हैं। झा ने बताया कि भेल ने हरियाणा में 3,000 मेगावाट से अधिक क्षमता की केंद्रीय और राज्य थर्मल परियोजनाओं को सफलतापूर्वक निष्पादित किया है। साथ ही 1974 से राज्य के बिजली विकास कार्यक्रम से जुड़ा हुआ है, इस अनुबंध में भेल के कार्य के दायरे में विद्युत और निर्विकट उपकरण कार्य के साथ-साथ पाथ जेनरेटर, टरबाइन और संबंधित सहायक उपकरणों के डिजाइन, इंजीनियरिंग, विनिर्माण, आपूर्ति, निर्माण, परीक्षण और कमीशनिंग शामिल हैं। इस परियोजना में नवीनतम तकनीक पर आधारित अल्ट्राथ्रिफिक उत्पन्न निर्विकट उपकरण भी लागू जाएंगे,

Publication Date-	15.02.2024	Patrika
Page no.-	01	
Journalist-	Bhopal Bureau	

800 मेगावाट का हरियाणा के यमुना नगर में लगाया जाएगा प्लांट
अल्ट्रा सुपर क्रिटिकल थर्मल पावर प्लांट
स्थापित करने भेल को मिला कॉन्ट्रैक्ट

भेल @ पत्रिका: बीएचईएल (भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड) ने कड़ी अंतरराष्ट्रीय प्रतिस्पर्धा के तहत एचपीजीसीएल (हरियाणा विद्युत उत्पादन निगम लिमिटेड) से हरियाणा के यमुनानगर में इंजीनियरिंग, खरीद और निर्माण (ईपीसी) आधार पर 800 मेगावाट का अल्ट्रा-सुपर क्रिटिकल थर्मल पावर प्लांट स्थापित करने का कॉन्ट्रैक्ट मिला है। 1,800 मेगावाट दैनिक धुंछेद राम थर्मल पावर प्लांट हरियाणा को पहला अल्ट्रा-सुपर क्रिटिकल प्रोक्सेसिंग-आधारित बिजली परियोजना होगी। यह संयंत्र राज्य में मौजूदा उप-महत्वपूर्ण इकाइयों की तुलना में अधिक कुशल मानकों के साथ काम कोयले की खपत करेगा। प्रस्तावित 800 मेगावाट इकाई मौजूदा 2,300 मेगावाट इकाइयों के निवृत्त स्थापित की जाएगी। बीएचईएल ने हरियाणा में 3000 मेगावाट से अधिक क्षमता की केन्द्रीय और राज्य थर्मल परियोजनाओं को सफलतापूर्वक निष्पादित किया है। साथ ही 1974 से राज्य के बिजली विकास कार्यक्रम से जुड़ा हुआ है।

भेल से होगी उपकरणों की आपूर्ति

इस अनुबंध में बीएचईएल के कार्य के दायरे में विद्युत और नियंत्रण उपकरण कार्य के साथ-साथ वाष्प जेनरेटर, टरबाइन और संबंधित सहायक उपकरणों के डिजाइन, इंजीनियरिंग, विनिर्माण, आपूर्ति, निर्माण, परीक्षण और कमिशनिंग शामिल हैं। मुख्य उपकरणों की आपूर्ति बीएचईएल की हरिद्वार, त्रिवेणी, बेंगलुरु, हैदराबाद, भोपाल और राणीपेट में विनिर्माण इकाइयों द्वारा की जाएगी। देश में स्थापित 1,34,000 से अधिक मेगावाट के थर्मल पावर प्लांटों के परियोजनाओं में निरविद्य बाजार अग्रणी है अब तक देश में 66 सुपरक्रिटिकल स्टीम जेनरेटर (एससी) और 62 सुपर क्रिटिकल टरबाइन जेनरेटर (टीजी) के साथ अनुबंध किया है। जिनमें से 32 एसजी और 24 टीजी बायू होकर सफलतापूर्वक काम कर रहे हैं।

Publication Date-	15.02.2024	Swadesh
Page no.-	07	
Journalist-	Bhopal Bureau	

भेल को बड़ी उपलब्धि, अधिक कुशल मानकों के साथ कम कोयले की करेगा खपत

स्वदेश संवाददाता, भोपाल

बीएचईएल ने कड़ी अंतर्राष्ट्रीय प्रतिस्पर्धा के तहत एचपीजीसीएल (हरियाणा विद्युत उत्पादन निगम लिमिटेड) से हरियाणा के यमुनानगर में इंजीनियरिंग, खरीद और निर्माण (ईपीसी) आधार पर 800 मेगावाट का अल्ट्रा-सुपरक्रिटिकल थर्मल पावर प्लांट स्थापित करने के लिये आदेश प्राप्त किया है। 1&800 मेगावाट दैनिक छोट्ट राम थर्मल पावर प्लांट हरियाणा की पहली अल्ट्रा-सुपरक्रिटिकल प्रौद्योगिकी-आधारित बिजली परियोजना होगी। यह संयंत्र राज्य में मौजूदा उप-महत्वपूर्ण इकाइयों की तुलना में अधिक कुशल मानकों के साथ कम कोयले की खपत करेगा। प्रस्तावित 800 मेगावाट इकाई मौजूदा 2&300 मेगावाट इकाइयों के निकट स्थापित की जाएगी, जे वर्तमान में यमुनानगर में कार्यरत है। बीएचईएल ने हरियाणा में 3,000 मेगावाट से अधिक क्षमता की केंद्रीय और राज्य थर्मल परियोजनाओं को सकलतापूर्वक निष्पादित किया है, और 1974 से राज्य के बिजली विकास कार्यक्रम से जुड़ा हुआ है।

हरियाणा के यमुना नगर में 800 मेगावाट का थर्मल पावर प्लांट स्थापित करेगा भेल



32 एसजी और 24 टीजी हो चुके हैं चालू

देश में स्थापित 1,34,000+ मेगावाट के थर्मल पावर प्लांटों के अपने विशाल पोर्टफोलियो के साथ, बीएचईएल थर्मल यूटिलिटी परियोजनाओं में निर्विवाद बाजार अग्रणी है, साथ ही प्लांट के सेवाकाल बढ़ाने और दक्षता तथा विफलताओं को उन्मूलन करने के लिए पुराने सेटों के आरएडएम के लिए एक अग्रणी कंपनी है। अब तक बीएचईएल ने देश में 66 सुपरक्रिटिकल स्टीम जेनरेटर (एसजी)

अत्याधुनिक उत्सर्जन नियंत्रण उपकरण भी लगाए जाएंगे

इस अनुबंध में बीएचईएल के कार्य के दायरे में विद्युत और नियंत्रण उपकरण कार्यों के साथ-साथ वाष्प जेनरेटर, टरबाइन और संबंधित सहायक उपकरणों के डिजाइन, इंजीनियरिंग, विनिर्माण, आपूर्ति, निर्माण, परीक्षण और कमीशनिंग शामिल हैं। इस परियोजना में नवीनतम तकनीक पर आधारित अत्याधुनिक उत्सर्जन नियंत्रण उपकरण भी लगाए जाएंगे। परियोजना के लिए मुख्य उपकरणों की आपूर्ति बीएचईएल की हरिद्वार, त्रिवी, बेगलपुर, हैदराबाद, भोपाल और रानीपेट में विनिर्माण इकाइयों द्वारा की जाएगी, जबकि साइट पर निष्पादन कंपनी के पावर सेक्टर - उत्तरी क्षेत्र द्वारा किया जाएगा।

और 61 सुपरक्रिटिकल टर्बाइन जेनरेटर (टीजी) के साथ अनुबंध किया है, जिनमें से 32 एसजी और 24 टीजी चालू हो चुके हैं और सकलतापूर्वक काम कर रहे हैं।

Publication Date-	15.02.2024	Patrika
Page no.-	01	
Journalist-	Bhopal Bureau	

मांग

संघ के पदाधिकारियों ने भेल प्रबंधन को ज्ञापन सौंपकर की मांग

24 जून को रिटायर होने वालों को भी दें इंक्रीमेंट

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

मानव संसाधन महाप्रबंधक को ज्ञापन

सुप्रीम कोर्ट के आदेश को भी नहीं मानते

भेल हेतु भारतीय मजदूर संघ भेल के पदाधिकारियों ने 24 जून को रिटायर होने वाले कर्मचारियों को इंक्रीमेंट देने की मांग की है। इस संबंध में भेल के मानव संसाधन महाप्रबंधक बीके सिंह को ज्ञापन भी सौंपा है। इसके पीछे संघ के पदाधिकारियों का तर्क है कि इंक्रीमेंट दिए जाने को लेकर रिटायर्ड कर्मचारियों के पक्ष में सुप्रीम कोर्ट का फैसला भी है और केस की तरफ से सर्वोच्च न्यायालय भी जारी किया जा चुका है बावजूद इसके उक्त आदेश का रि वाक्यवचन नहीं किया जा रहा है। जबकि इसके रि वाक्यवचन से भोपाल यूनिट के सैकड़ों रिटायर्ड कर्मचारियों को फायदा होगा।

संघ के महासचिव वामनराव नरगुरे ने बताया कि भेल के कर्मचारियों का हर साल जून महीने में नूल वेतन का सींग प्रतिशत और डीए पर इंक्रीमेंट लगता है। जो जुलाई महीने की सैलरी में जुड़कर आता है। वहीं, महीने की अवधि 24 तारीख को कर्मचारियों को रिटायरमेंट दिख जाता है। क्योंकि भेल प्रबंधन में मासिक कार्य की गणना चालू महीने के 25 तारीख से शुरू होकर अगले महीने की 24 तारीख तक की जाती है। भेल प्रबंधन के अनुसार भोपाल यूनिट में लगभग एक दर्जन कर्मचारी हर महीने रिटायर हो रहे हैं। जिन्हें इसका लाभ नहीं मिल पा रहा है। इसके लागू होने से सैकड़ों रिटायर्ड कर्मचारियों को बेनिफिट मिल सकेगा।

ऐसे भेल कर्मों जो 24 जून को रिटायर्ड होते हैं भेल प्रबंधन द्वारा उन कर्मचारियों को इंक्रीमेंट नहीं दिया जा रहा है। जबकि केपीटीसीएस सर्वोच्च न्यायालय मानसो में सुप्रीम कोर्ट का आदेश है कि रिटायर्ड कर्मियों को 30 जून तक इंक्रीमेंट देकर रिटायर्ड किया जाए। इसके अलावा केस के द्वारा जारी सर्वोच्च न्यायालय के फैसले हैं। ज्ञापन सौंपने वाली में प्रदेश कार्यालय मंत्री दीपक गुप्ता, विजय सिंह रावत, कौशिक्यता शिशुपाल यादव, कार्यालय मंत्री राधेश कोल, नगर सहायक रमिति के सदस्य अरुण चौधरीवार, मजेंद्र बच्छौर और मेडिकल के सदस्य जयनंदर टेंभरे आदि शामिल रहे।

Publication Date-	15.02.2024	Swadesh
Page no.-	04	
Journalist-	Bhopal Bureau	





Publication Date-	15.02.2024	Swadesh
Page no.-	07	
Journalist-	Bhopal Bureau	

बीएचईएल तीसरी तिमाही में मुनाफे से घाटे में आई

भोपाल। बीएचईएल पिछले वित्तीय वर्ष के बड क्वार्टर के मुकाबले वित्तीय वर्ष 2023-24 के तीसरी तिमाही में मुनाफे से घाटे में आ गई है। इसकी घोषणा कर दी गई है। जानकारी के मुताबिक कंपनी ने दिसंबर 2022 तिमाही में 52.71 करोड़ रुपये के मुनाफे के मुकाबले पिछली तिमाही में कर पूर्व 194.91 करोड़ रुपये का घाटा दर्ज किया। तीसरी तिमाही में कुल खर्च 9.32 बढ़कर 5816.87 करोड़ रुपये हो गया जो एक साल पहले की अवधि में 5320.84 करोड़ रुपये था। बीएचईएल ने मंगलवार को 31 दिसंबर 2023 को समाप्त तिमाही के लिए 163 करोड़ रुपये का स्टैंडअलोन शुद्ध घाटा दर्ज किया, जबकि एक साल पहले की अवधि में 31 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था। एक्सचेंज फाइलिंग के मुताबिक ऑपरेशन से कंपनी का रेवेन्यू 4.56 फीसदी बढ़कर 5.503.81 करोड़ रुपये हो गया। एक साल पहले की समान अवधि में यह 5.263.38 करोड़ था। 24 में कंपनी की कुल आय 5.607.96 करोड़ हो गई। एक साल पहले की समान अवधि में यह 5.362.27 करोड़ थी।